डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज

– वाराणसी –

परास्नातक पाठ्यक्रम

एम.ए. भाग - 1 (द्वितीय सत्र)

-: हिन्दी विभाग :-
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

पाँचवाँ प्रश्नपत्र
छायावादोत्तर काव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4	ग	10	= 40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4	ग	5	= 20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	ग	1	= 10
					70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1 चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध (अंधेरे में)
2 आँगन के पार द्वार : अज्ञेय (असाध्य वीणा)
3 प्रतिनिधि कवितायें : नागार्जुन (मेरी भी आभा है इसमें, यह तुम थीं, शासन की बंदूक, तीनों बंदर बापू के)
4 प्रतिनिधि कवितायें : शमशेर बहादुर सिंह (टूटी हुई बिखरी हुई, उषा, एक पीली शाम, लौट आ ओ धार)
5 संसद से सड़क तक : धूमिल (पटकथा)
6 तॉल्सतॉय और साइकिल : केदारनाथ सिंह (पांडुलिपियाँ, समूह गायन, बर्लिन की टूटी दीवार को देखकर, ताल्सतॉय और साइकिल)

अनुशंसित ग्रंथ :

1 मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2 नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3 अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी, नई दिल्ली
4 समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नई दिल्ली
5 समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
6 समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ – रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7 अज्ञेय और नई कविता – चंद्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
8 साहित्य और समय – अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
9 कविता के नये प्रतिमान –नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
10 मिट्टी की रोशनी – अनिल त्रिपाठी, शिल्पायन, दिल्ली
11 एक कवि की नोटबुक : राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
12 कविता और समाज : अरुण कमल , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
13 मेरे समय के शब्द : केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
14 कवियों की पृथ्वी : अरविंद त्रिपाठी, आधार प्रकाशन, नयी दिल्ली
15 साठोत्तरी हिन्दी कविता में लोक सौन्दर्य : श्रीप्रकाश शुक्ल, लोक भारती , इलाहाबाद
16 आधुनिकता और उपनिवेश : कृष्णमोहन, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
17 कवि कह गया है : अशोक वाजपेयी, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
18 कविता का जनपद : सं. अशोक वाजपेयी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
19 समकालीन काव्य यात्रा : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
20 कविता : पहचान का संकट : नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली

पाँचवाँ प्रश्नपत्र
छायावादोत्तर काव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4	ग	10 =	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4	ग	5 =	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	ग	1 =	10
					70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1 चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध (अंधेरे में)
2 आँगन के पार द्वार : अज्ञेय (असाध्य वीणा)
3 प्रतिनिधि कवितायें : नागार्जुन (मेरी भी आभा है इसमें, यह तुम थीं, शासन की बंदूक, तीनों बंदर बापू के)
4 प्रतिनिधि कवितायें : शमशेर बहादुर सिंह (टूटी हुई बिखरी हुई, उषा, एक पीली शाम, लौट आ ओ धार)
5 संसद से सड़क तक : धूमिल (पटकथा)
6 तॉल्सतॉय और साइकिल : केदारनाथ सिंह (पांडुलिपियाँ, समूह गायन, बर्लिन की टूटी दीवार को देखकर, ताल्सतॉय और साइकिल)

अनुशंसित ग्रंथ :

1 मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2 नयी कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3 अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या – रामस्वरूप चतुर्वेदी, नई दिल्ली
4 समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नई दिल्ली
5 समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
6 समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ – रामकली सर्राफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7 अज्ञेय और नई कविता – चंद्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
8 साहित्य और समय – अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
9 कविता के नये प्रतिमान –नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
10 मिट्टी की रोशनी – अनिल त्रिपाठी, शिल्पायन, दिल्ली
11 एक कवि की नोटबुक : राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
12 कविता और समाज : अरुण कमल , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
13 मेरे समय के शब्द : केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
14 कवियों की पृथ्वी : अरविंद त्रिपाठी, आधार प्रकाशन, नयी दिल्ली
15 साठोत्तरी हिन्दी कविता में लोक सौन्दर्य : श्रीप्रकाश शुक्ल, लोक भारती , इलाहाबाद
16 आधुनिकता और उपनिवेश : कृष्णमोहन, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
17 कवि कह गया है : अशोक वाजपेयी, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
18 कविता का जनपद : सं. अशोक वाजपेयी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
19 समकालीन काव्य यात्रा : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
20 कविता : पहचान का संकट : नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली

21 कविता और संवेदना : विजय बहादुर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
22 साठोत्तरी कविता : परिवर्तित दिशायें : विजय कुमार, प्रकाशन संस्थान
23 धूमिल और परवर्ती जनवादी कविता : श्रीराम त्रिपाठी, रंगद्वार प्रकाशन, अहमदाबाद
24 हिन्दी की प्रगतिशील कविता : लल्लन राय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, चण्डीगढ़
25 नयी कविता का समाजशास्त्र : मनोज कुमार सिंह, प्रकाशन वाराणसी
26 आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
27. हिन्दी की जनवादी कविता : वशिष्ठ अनूप

छठा प्रश्नपत्र
कथा साहित्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4 ग 10	=	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4 ग 5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 ग 1	=	10
				70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1 गोदान : प्रेमचंद
2 बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3 शेखर – एक जीवनी : अज्ञेय
4 झूठा सच : यशपाल
5 कहानियाँ – कहानी संग्रह–विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
कफ़न (प्रेमचन्द), परिन्दे (निर्मल वर्मा), जिंदगी और जोंक (अमरकांत), कोसी का घटवार (शेखर जोशी), तीसरी कसम (फणीश्वरनाथ रेणु), नन्हों (शिवप्रसाद सिंह) चीफ की दावत (भीष्म साहनी),भोलाराम का जीव (हरिशंकर परसाई), घंटा (ज्ञानरंजन), कविता की नयी तारीख (काशीनाथ सिंह), धर्मक्षेत्रे कुरूक्षेत्रे (दूधनाथ सिंह), तिरिछ (उदयप्रकाश)

(व्याख्याएं कहानियों से नहीं पूछी जाएंगी।)

अनुशंसित ग्रंथ :

1 प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2 प्रेमचंद : एक विवेचन – इन्द्रनाथ मदान,
3 उपन्यासकार हजारीप्रसाद द्विवेदी – त्रिभुवन सिंह
4 अज्ञेय का कथा साहित्य – ओम प्रभाकर
5 विवेक के रंग – देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
6 हिंदी उपन्यास – शिवनारायण श्रीवास्तव, सरस्वती मंदिर, वाराणसी
7 अधूरे साक्षात्कार – नेमिचन्द्र जैन
8 कहानी नयी कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9 कहानी आंदोलन की भूमिका – बलिराज पांडेय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद

10 आज की हिंदी कहानी – विजय मोहन सिंह, दिल्ली
11 उपन्यास : स्थिति और गति– चंद्रकांत बॅड़दिवेकर
12 उपन्यास का इतिहास –गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13 यशपाल – कमला प्रसाद, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
14 दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
15 हिन्दी उपन्यास – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
16 आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
17 नयी कहानी : परिवेश और परिप्रेक्ष्य – डॉ. रामकली सर्राफ
18 हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
19. एकदुनिया समानांतर : राजेन्द्र यादव

सातवाँ प्रश्नपत्र
आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	– 4	× 10	=	40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	– 4	× 5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	– 10	× 1	=	10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी क्षेत्र का नवजागरण, भारतेन्दु और उनका मंडल, 19वीं शताब्दी की प्रमुख हिंदी पत्र–पत्रिकाएं, भारतेन्दुकालीन साहित्य की विशेषताएँ।
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, 'सरस्वती' और हिंदी नवजागरण, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा।
3. हिंदी में गद्य विधाओं का उदय, उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंध का विकास, प्रेमचंद और रामचंद्र शुक्ल का महत्व
4. छायावाद की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख छायावादी कवि
5. प्रगतिशील साहित्य की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख प्रगतिशील साहित्य, प्रयोगवाद और नयी कविता,

6.1 स्वातंत्र्योतर हिन्दी उपन्यास, नयी कहानी, अकहानी
6.2 समकालीन साहित्य
6.3 आधुनिक उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय

अनुशंसित ग्रंथ :

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2 हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3 हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
4 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5 आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय।

6 हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं – अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद
7 हिंदी नवगीत का संक्षिप्त इतिहास –अवधेश नारायण मिश्र, आर्यभाषा संस्थान, वाराणसी
8 इतिहास और आलोचना– नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
9 साहित्य और इतिहास दृष्टि –मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
10 गद्य साहित्य : विकास और विन्यास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11 आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
12 हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
13 साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयबहादुर सिंह

आठवाँ प्रश्नपत्र

इस प्रश्नपत्र में मूल भाषाओं अथवा प्रादेशिक भाषाओं में से कोई एक लेनी होगी। प्रत्येक छात्र मूल भाषाओं–संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश में से कोई एक भाषा ले सकता है, किंतु जिसने इंटरमीडिएट या इससे ऊपर के पाठ्यक्रम में इनमें से कोई भी भाषा पढ़ी होगी वह उस भाषा को एम0 ए0 में नहीं ले सकेगा।

संस्कृत

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4 ग' 10 =	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4 'ग 5 =	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 'ग 1 =	10
			70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1 रघुवंशम् : कालिदास (द्वितीय सर्ग)
2 पंचतंत्र (मित्र सम्प्राप्ति)
3 व्याकरण –

स्वर संधि – दीर्घ संधि, गुण संधि, वृद्धि संधि, यण् संधि, अयादि संधि।
व्यंजन संधि – अनुस्वार संधि, श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व।
विसर्ग संधि – सत्व, रुत्व, उत्व, विसर्ग लोप।
शब्द रूप – राम, हरि, गुरु, फल, बालिका।
सर्वनाम – अस्मद्, युष्मद्।
धातु रूप – भू, पठ्, लिख् (केवल लट्, लोट, लड़्, विधि लिड़् और लृट्)
समास – अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्वन्द्व, द्विगु और बहुव्रीहि।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर, वाराणसी
2. संस्कृत कवि दर्शन – भोलाशंकर व्यास, चौखम्भा, वाराणसी

पाठ्यांश :

1 राजशेखर – कर्पूरमंजरी (संपूर्ण)
2 गाथा सप्तशती – प्रथम 100 गाथाएं।
3 व्याकरण –
संधि – (स्वर संधि, व्यंजन संधि)
ध्वनि परिवर्तन – स्वर एवं व्यंजन संबंधी परिवर्तन।
शब्द रूप – पुलिंग – पुत, वाऊ, पिअर (पिउ)।
नपुंसक लिंग – फल, वहि, मुह
स्त्रीलिंग – माला रुई, वैणु, वूह
सर्वनाम – युष्मद्, अस्मद, तद् (तीनों लिंग में)
तद्धित – आलु, आल, हल्ल, उल्ल, त्त, त्तण, क, इव, मत्।
कृदन्त – सूर, तुम, अ, तण, तुआण, ता।
धातु रूप – वट्ट, हस, पठ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 प्राकृत प्रकाश (वररुचि) : सरयू प्रसाद अग्रवाल, ओरिएंटल बुक एजेन्सी, पूना।
2 प्राकृत साहित्य का इतिहास – जगदीश चन्द्र जैन
3 पालि–प्राकृत–अपभ्रंश–संग्रह – डॉ. रामअवध पाण्डेय

अपभ्रंश ✓ (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4 ग' 10	=	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4 'ग 5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 'ग 1	=	10
				70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1 हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग (नामवर सिंह)– सरहपा, कण्हपा, देवसेन, जोइंदु, रामसिंह, अब्दुर्रहमान, सोमप्रभ, प्रबंध चिंतामणि, हेमचंद्र (छंद सं0 100 तक)।
2 अपभ्रंश भाषा एवं साहित्य के विकास का परिचय।

अनुशंसित ग्रंथ :

✓1 हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग – नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
2 अपभ्रंश साहित्य – हरिवंश कोछड़
✓3 अपभ्रंश साहित्य और उसका हिन्दी पर प्रभाव –रामसिंह तोमर, हिंदी परिषद, इलाहाबाद
4 अपभ्रंश भाषा का अध्ययन – वीरेन्द्र श्रीवास्तव, एस0 चंद एण्ड कंपनी, दिल्ली।
5 पुरानी हिंदी – चंद्रधर शर्मा गुलेरी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
6 अपभ्रंश के धार्मिक मुक्तक और हिंदी संतकाव्य – सदानंद शाही, लोकभारती, इलाहाबाद।
7 पालि–प्राकृत–अपभ्रंश–संग्रह – डॉ. रामअवध पाण्डेय